

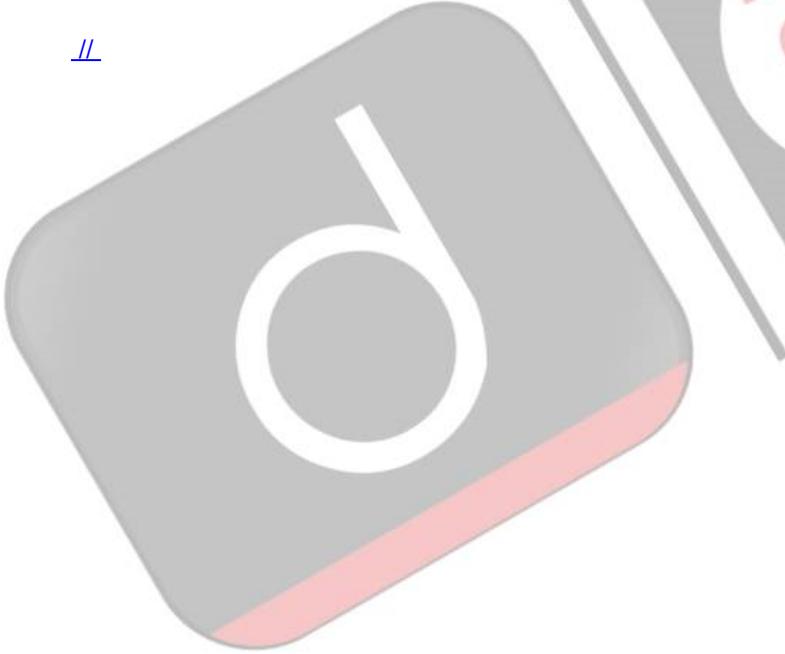
कस्तूरी कॉटन भारत पहल

स्रोत : पीआई बी

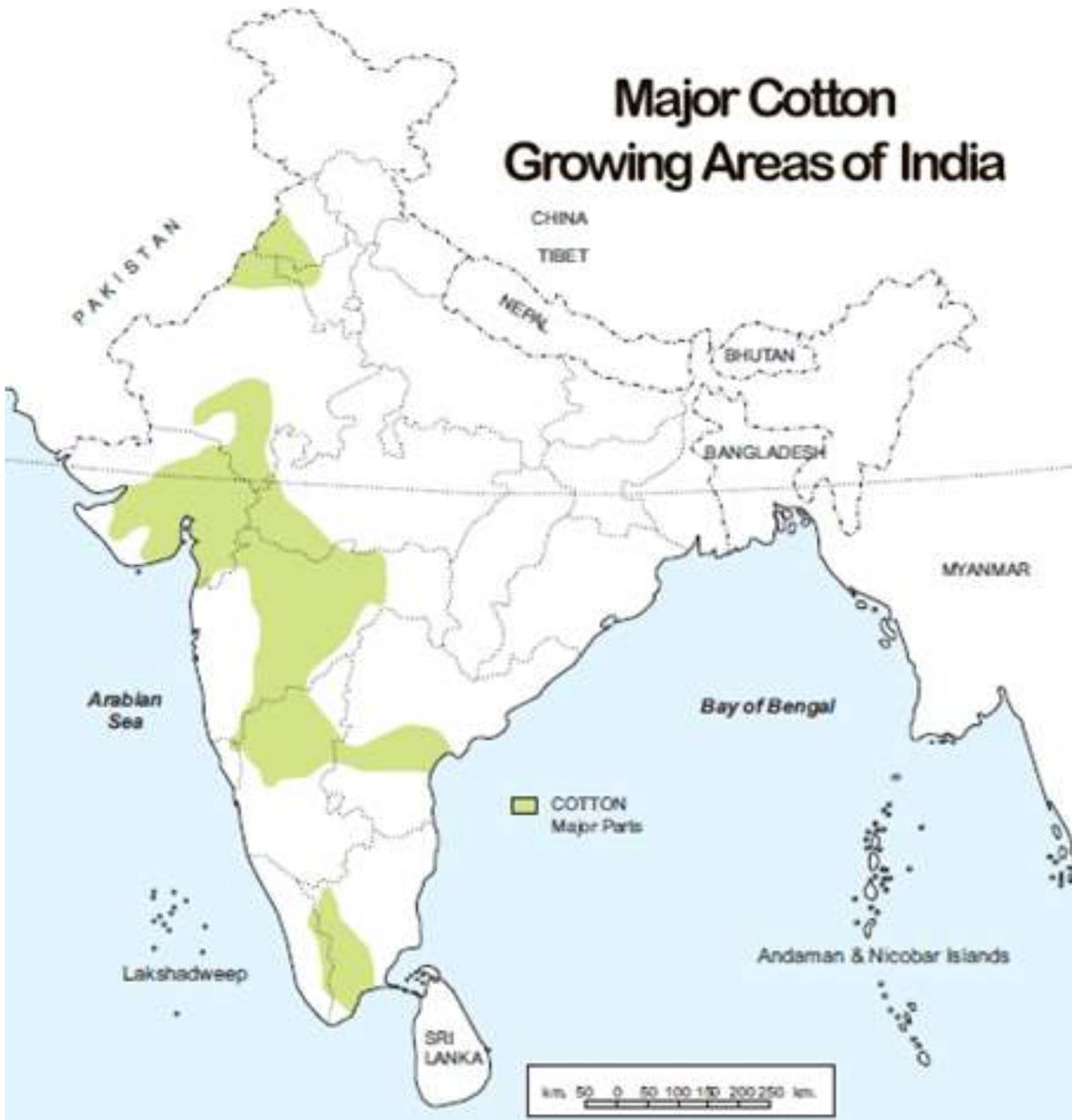
कपड़ा मंत्रालय का कस्तूरी कॉटन भारत कार्यक्रम भारतीय कपास की ट्रेसबिलिटी, प्रमाणन और ब्रांडिंग में एक अग्रणी प्रयास है।

- यह कॉटन की ट्रेसबिलिटी और प्रमाणन को बढ़ाने के लिये भारत सरकार (कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया), व्यापार नकियों और उद्योगों के बीच एक सहयोग है।
- एंड-टू-एंड ट्रेसबिलिटी और लेनदेन प्रमाणन के लिये क्यूआर कोड सत्यापन और ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म वाली एक माइक्रोसाइट विकसिति की गई है।
- कार्यक्रम को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर बढ़ावा दिया जाता है, जिसमें राज्य-वशिष्ट के बजाय राष्ट्रीय स्तर पर धन आवंटित किया जाता है।
- लगभग 343 आधुनिकीकृत जनिगि और प्रेसगि इकाइयाँ पंजीकृत हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश की 15 इकाइयाँ शामिल हैं।
 - आंध्र प्रदेश से लगभग 100 गाँवों को कस्तूरी कॉटन भारत ब्रांड के तहत प्रमाणित किया गया है।
- भारत में कॉटन (कपास) एक महत्वपूर्ण फसल है, जो वैश्विक उत्पादन में 25% का योगदान देती है और अपने आर्थिक मूल्य के लिये इसे "व्हाइट-गोल्ड" के रूप में जाना जाता है। यह गर्म, धूप वाले मौसम और विभिन्न प्रकार की मृदा में पनपती है, लेकिन जलभराव के प्रति संवेदनशील होती है।

//



Major Cotton Growing Areas of India



और पढ़ें: [कस्तूरी कॉटन द्वारा भारत के कॉटन सेक्टर को बढ़ावा, भारत में कॉटन उत्पादन](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/kasturi-cotton-bharat-initiative>